अभ्यास पत्रक

पाठ – टोपी शुक्ला

नाम :- ………… कक्षा :- ………… अवधि :- ………….. अनुक्रमांक :- …….. प्राप्तांक :- …….

1. गद्यांश पढ़िए और उत्तर दीजिए – (3 अंक)

"टोपी और दादी में एक ऐसा ही सम्बन्ध हो चुका था। इफ़्फ़न के दादा जीवित होते तो वह इस सम्बन्ध को बिलकुल उसी तरह न समझ पाते जैसे टोपी के घरवाले न समझ पाए थे।"

1. टोपी और इफ़्फ़न की दादी के बीच कैसा सम्बन्ध बन गया था?

उत्तर - ……………………………………………………………………………………………
……………………………………………………………………………………………………

2. टोपी के घरवाले इस सम्बन्ध को क्यों नहीं समझ सके?

उत्तर - ……………………………………………………………………………………………
……………………………………………………………………………………………………

3. लेखक ने इस गहरे सम्बन्ध को किसके समान बताया है?

उत्तर - ……………………………………………………………………………………………
……………………………………………………………………………………………………

2. Assertion-Reason आधारित प्रश्न – (2x1=2 अंक)

4. **कथन:** टोपी और इफ़्फ़न की मित्रता सामाजिक भेदभाव को नकारती है।
   कारण: दोनों अलग धर्मों के होने के बावजूद गहरा लगाव रखते थे।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है। (ग) A: सही, R: गलत
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है। (घ) A: गलत, R: सही
5. **कथन:** टोपी शुक्ला एक आत्मगौरवशाली और निर्भीक बालक था।
   कारण: उसने मुन्नी बाबू के झूठ का विरोध किया और किसी को चुगल नहीं किया।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है। (ग) A: सही, R: गलत
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है। (घ) A: गलत, R: सही

3. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs) – (5x1=5 अंक)

6. 'टोपी शुक्ला' कहानी के लेखक कौन हैं?
   (क) प्रेमचंद (ख) राही मासूम रज़ा (ग) यशपाल (घ) हरिशंकर परसाई
7. टोपी शुक्ला का पूरा नाम क्या था?
   (क) टोपी नाथ शुक्ला (ख) बलभद्र नारायण शुक्ला (ग) भृगु नारायण शुक्ला (घ) हरिनाम सिंह शुक्ला
8. इफ़्फ़न की दादी टोपी को किस प्रकार की कहानियाँ सुनाती थीं?
   (क) ऐतिहासिक (ख) हास्य (ग) धार्मिक (घ) परीकथाएँ
9. 'अम्मी' शब्द के प्रयोग पर टोपी के घर में क्या हुआ?
   (क) सब हँसने लगे (ख) टोपी की पिटाई हुई (ग) दादी खुश हुईं (घ) टोपी को पुरस्कार मिला
10. इफ़्फ़न के पिता का तबादला कहाँ हुआ था?
    (क) कराची (ख) दिल्ली (ग) मुरादाबाद (घ) बनारस

egyanarchive

4. लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 2 अंक, कुल 6 अंक)

11. टोपी ने इफ़्फ़न से दादी बदलने की बात क्यों कही?

उत्तर - .....

.....

.....

12. इफ़्फ़न की दादी का स्नेह टोपी को क्यों प्रिय लगता था?

उत्तर - .....

.....

.....

13. दस अक्तूबर सन् पैंतालीस का टोपी के जीवन में क्या महत्त्व है?

उत्तर - .....

.....

.....

5. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (4 अंक) *(उत्तर 100–120 शब्दों में दीजिए)*

14. "टोपी और इफ़्फ़न की दोस्ती सामाजिक भेदभावों को मिटाकर मानवीय संबंधों की मिसाल बन जाती है।" – इस कथन की पुष्टि कहानी के आधार पर कीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

6. निबंधात्मक प्रश्न – (5 अंक) *(उत्तर 160–180 शब्दों में दीजिए)*

15. "टोपी शुक्ला केवल बचपन की कहानी नहीं, वह भारतीय समाज में संबंधों, पूर्वाग्रहों और मानवीय मूल्यों की वास्तविक तस्वीर है।" – इस कथन पर अपने विचार लिखिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

eGyanArchive

उत्तर कुंजी

1. एक स्नेहिल, आत्मीय, गहरा संबंध जो बिना कहे जुड़ गया था।
2. क्योंकि उनका दृष्टिकोण परंपराओं और धर्म के बंधनों से प्रभावित था।
3. लेखक ने इसे एक दूसरे की प्यास बुझाने वाला संबंध बताया।
4. (क)
5. (क)
6. (ख)
7. (ख)
8. (घ)
9. (ख)
10. (ग)
11. क्योंकि इफ़्फ़न की दादी प्रेमपूर्ण थीं जबकि उसकी अपनी दादी सख़्त स्वभाव की थीं।
12. इफ़्फ़न की दादी उसे डाँटती नहीं थीं, कहानियाँ सुनाती थीं और अपनत्व देती थीं।
13. इसी दिन इफ़्फ़न के पिता का तबादला हुआ और वह टोपी से बिछड़ गया।

14. टोपी और इफ़्फ़न की मित्रता जात-पात, मज़हब और सामाजिक परंपराओं के विरुद्ध सच्चे मानवीय संबंधों की मिसाल है। दोनों अलग धर्म के होते हुए भी अच्छे मित्र हैं। टोपी को इफ़्फ़न के घर जाकर उसकी दादी के साथ आत्मीयता मिलती है। जब दादी की मृत्यु होती है तो टोपी स्वयं को अकेला महसूस करता है। समाज जहाँ इस मित्रता को गलत समझता है, वहीं दोनों बालकों ने एक-दूसरे को समझने और अपनाने का भाव दिखाया। यह दोस्ती बताती है कि बाल मन धर्म और जाति से परे सिर्फ स्नेह पहचानता है।

15. 'टोपी शुक्ला' कहानी केवल दो बच्चों की मित्रता नहीं है, बल्कि समाज के उन छिपे भावों की झलक देती है जिन्हें अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। टोपी एक ऐसा बच्चा है जो अपने घर में और स्कूल में अकेलापन झेलता है। इफ़्फ़न की दादी में उसे वह स्नेह और अपनापन मिलता है जिसकी उसे आवश्यकता है। जब वह 'अम्मी' शब्द प्रयोग करता है तो परिवार की परंपराएँ डगमगाने लगती हैं। इफ़्फ़न का तबादले के कारण जाना और दादी की मृत्यु टोपी को भीतर से तोड़ देते हैं। यह कहानी बाल मनोविज्ञान, सामाजिक पूर्वाग्रह और धार्मिक असहिष्णुता पर गहरा व्यंग्य करती है। यह हमें सिखाती है कि सच्चे संबंध उम्र, धर्म और जाति से नहीं, दिल से जुड़ते हैं।